विष्वविद्यालय में चार दिवसीय प्रषिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पंतनगर। 27 मई 2025। विश्वविद्यालय के मषरूम अनुसंधन एवं प्रषिक्षण केन्द्र पर स्वरोजगार योजना के तहत चार–दिवसीय प्रषिक्षण का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन विष्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि मषरूम की खेती को किसानों द्वारा समेकेति कृषि पद्धित के साथ अपनाने से काफी लाभ प्राप्त होता है साथ ही मषरूम उत्पादकों को नये उत्पाद बनाने की सलाह दी जिसमें मषरूम को मडुवा, मिलेट, आइस्क्रीम आदि के साथ मूल्यसंवर्धन करने का सुझाव दिया। इसी क्रम में निदेषक शोध डा. ए.एस. नैन ने मषरूम के पोषकीय तथा औषधीय महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन तथा मषरूम अनुसंधान एवं प्रषिक्षण केन्द्र के संयुक्त निदेषक डा. एस.के. मिश्रा ने उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में स्थानीय पदार्थो तथा स्थानीय तकनीक को अपनाकर मषरूम की टिकाऊ खेती पर बल दिया, जिससे जहां पर कच्चे पदार्थ सर्व सुलभ है वहां पर उत्पादन लागत कम की जा सके। वहीं दूसरी ओर उद्यम के रूम में मषरूम का उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि डा. सुभाष चन्द्रा तथा पादपरोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. योगेन्द्र ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रषिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेष एवं बिहार से कुल 45 प्रषिक्षणार्थियों ने भाग लिया।